Pay Scale of P. & T. Department Stamp Vendors

5397. Shri Ganesh Ghosh: Will the Minister of Communications be pleased to state

(a) whether it is a fact that the pay scale of the departmental stamp vendors of the P &T is only 75-1-85-2-95 p m ,

(b) whether it is also a fact that this pay scale some years back was much higher, namely, 110-4-150,

(c) whether after the reduction of this pay scale, it has neither been reviewed nor increased during the last 36 years,

(d) whether Government propose to revise this pay scale of the departmental stamp vendors due to the tremendous increase in the cost of living, and

(e) if not the persons therefor.?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I K Gujral): (a) Yes, Sir

(b) No The Pre 31 pay-scales of Departmental Stamp Vendors working in places other than Bombay and Calcutta cities varied from Rs 18-1-38 to Rs 23-1-43 according to localities The scales of pay applicable to Stamp Vendors of Bombay and Calcutta cities were Rs 60-4-100 and Rs 50-5-100 respectively

(c) The pay Scale of Stamp Vendors was reviewed and increased by the First and Second Pay Commission

(d) No For increase in the cost of living the rates of Dearness Allowance are being revised from time to time

(e) Does not arise

ट्रंक काल बिल

5398. डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री रवि राय :
श्री गुमानमल डागुर :
श्री प्र० के० देव :
श्री कु० कु० तापड़िया :
श्री देवकीनन्दन पाटोदिया :
श्री अजमल खां :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ट्रंक काल बिलो के विवरणो मे हाल मे कुछ परिवर्तन किया गया है;

(ख) यदि हा, तो क्या परिवर्तन किये गये हैं,

(ग) क्या सरकार को पता है कि इस परिवर्त्तन के कारण ट्रक काल करने वाले लोगो को बिलो की राशि देने मे असुविधा हो रही है, क्योकि जिस स्थान को टेलीफोन किया गया था बिल मे उसका नाम नहीं लिखा गया,

(घ) इस असुविधा को दूर करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है, और

(ङ) क्या सरकार ट्रक काल करने वाले व्यक्ति को तीन मिनट पूरे हो जाने की सूचना देने की पुरानी प्रथा को फिर से आरम्भ करने का भी विचार करेगी ?

संसद्-कार्य तथा संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) : (क) से (घ) 1 अप्रैल, 1967 से ग्यारह टेलीफोन राजस्व लेखा यूनिटो द्वारा भेजे जाने वाले ट्रक काल बिलों मे केवल (1) काल की तारीख तथा (2) हरेक काल की रकम का ब्यौरा ही दिया जा रहा है। इस मामले पर फिर से विचार किया गया है और विस्तृत ब्यौरा देने की प्रथा जो कि 1 अप्रैल, 1967 से पहले चालू थी, फिर से शुरू करने के आदेश जारी किये जा रहे हैं ।

(ङ) यह अब भी दी जा रही है या तो आपरेटर द्वारा यह कहकर कि "तीन मिनट खत्म हो गए" या पि-पि की स्वतः आवाज द्वारा ।

I.A.S. Cadre for Goa

5399. Shri Sequeira:
Shri K. P. Singh Deo:
Shri Giriraj Saran Singh:
Shri Kameshwar Singh:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state.

(a) whether Government have taken a decision to start an I A.S. cadre for the Union Territory of Goa;

(b) if so, the date when the decision was taken, and

(c) the reasons for the non-implementation of this decision?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) Yes, Sir Government have decided to constitute a combined Cadre for I A S. for all the Union Territories including Goa, Daman and Diu by extending the existing Joint IAS Cadre for Delhi and Himachal Pradesh

(b) 6th November, 1964

(c) Various steps have had to be taken for the imulemenlation of the decision The agreement of the Union Territories to particpation in the proposed extended Cadre had to be obtained. The details of the scheme had to be finalised in consultation with the Union Public Service Commission. Various amendments to rules under the All India Services Act relating to Cadre, Recruitment, Pay, Seniority and Promotion had to be drafted. The question of absorption of I F A.S. officers in the proposed I A.S. Cadre had to be examined in consultation with the Union Public Service Commission with all its implications. Work on implementation of the scheme has nearly been finalised.

गुरुकुलों के लिये छात्रवृत्तियां

5400. श्री रामचन्द्र वीरप्पा : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुरुकुलों में छात्रवृत्तियां देने की कोई योजना बनाई है;

(ख) क्या दक्षिण भारत के गुरुकुलों मे ही इस प्रकार की योजना है, और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं । यह योजना देश भर के गुरुकुलों पर समान रूप से लागू है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

संस्कृत के निर्धन विद्वानों को सहायता

5401. श्री रामचन्द्र वीरप्पा : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने संस्कृत के निर्धन विद्वानो को वित्तीय सहायता देने के बारे मे योजना बनाई है, और

(ख) यदि हां, तो 1965–66 तथा 1966–67 मे इस योजना से कितने व्यक्तियो को लाभ हुआ है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) जी हां ।

(ख) 1965-66—167
1966–67—261

Class IV Employees on duty in Bungalows

5402, **Shri K. R. Ganesh:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of Peons/Orderlies employed under